



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 126]
No. 126]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 9, 1998/ज्येष्ठ 19, 1920
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 9, 1998/JYAISTHA 19, 1920

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 जून, 1998

सं० 3/2/98-पब्लिक.—राष्ट्रपति को यह जानकारी अत्यन्त दुःख हुआ है कि राजस्थान के राज्यपाल, श्री दरबारा सिंह का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 24 मई, 1998 को शाम 5 बजकर 5 मिनट पर देहावसान हो गया है। श्री दरबारा सिंह के निधन से देश ने एक उच्च कोटि का जननेता खो दिया है।

2. श्री दरबारा सिंह का जन्म 25 फरवरी, 1927 को जिला लायलपुर (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। उन्होंने खालसा कालेज, लायलपुर से स्नातक की डिग्री प्राप्त की और उसके बाद इंजीनियरिंग कालेज, रुड़की से मेकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की।

3. श्री दरबारा सिंह ने अपने छात्र जीवन में ही 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया। वे 1964 में पंचायत समिति, शाहकोट, जिला जालंधर के अध्यक्ष, तथा जिला परिषद् के सदस्य, चुने गये। वे 1967 में पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गए और 1968 से 1969 तक पंजाब सरकार में उपमंत्री रहे। वे 1969 में और फिर 1972 से 1973 तक पंजाब विधान सभा के अध्यक्ष चुने गए। मई, 1996 में वे जालंधर से लोक सभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए।

4. श्री दरबारा सिंह पंजाब के एक जाने-माने किसान और उद्योगपति थे। 1951 में उन्होंने मशीनीकृत खेती शुरू की। 1980 में कागज उद्योग शुरू किया। वे जिला जालंधर में गुरु नानक राष्ट्रीय छात्र कालेज, नकोदर तथा गुरु नानक राष्ट्रीय छात्रा कालेज, नकोदर के संस्थापक-अध्यक्ष थे। वे एक अच्छे खिलाड़ी भी थे।

5. श्री दरबारा सिंह ने पंजाब के विकास और कमजोर वर्गों के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1 मई, 1998 को उन्हें राजस्थान का राज्यपाल नियुक्त किया गया किन्तु अकाल निधन के कारण वे इस पद पर कुछ ही समय के लिए रहे।

6. श्री दरबारा सिंह अपने पीछे अपनी पत्नी और बेटियां छोड़ गए हैं।

बालमीकि प्रसाद सिंह, सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS**NOTIFICATION**

New Delhi, the 9th June, 1998

No. 3/2/98-Public.—The President has learnt, with deep regret, of the sad demise of Shri Darbara Singh, Governor of Rajasthan, at the All India Institute of Medical Sciences, New Delhi, on May 24, 1998 at 1705 hours. The death of Shri Darbara Singh has deprived the country of an outstanding public figure.

2. Shri Darbara Singh was born on February 25, 1927 in District Layalpur (now in Pakistan). He graduated from the Khalsa College, Layalpur and thereafter obtained a degree in Mechanical Engineering from the Engineering College, Roorkee.

3. While still a student, Shri Darbara Singh participated in the Quit India Movement in 1942. He was elected Chairman, Panchayat Samiti, Shahkot, District Jalandhar, and Member, Zila Parishad, in 1964. He was elected Member of the Punjab Vidhan Sabha in 1967 and was a Deputy Minister in the Government of Punjab from 1968 to 1969. He was elected Speaker, Punjab Vidhan Sabha in 1969 and then again from 1972 to 1973. He was elected Member of the Lok Sabha in May 1996 from Jalandhar.

4. Shri Darbara Singh was a well-known agriculturist and industrialist in Punjab. He started mechanised farming in 1951. He started a paper industry in 1980. He was the Founder President, Guru Nanak National College for boys, Nakodar and Guru Nanak National College for girls, Nakodar, in District Jalandhar. He was also a keen sportsman.

5. Shri Darbara Singh played a leading role in the development of Punjab and upliftment of weaker sections. He was appointed as Governor of Rajasthan on May 1, 1998 but could hold this post for a short period only due to his untimely death.

6. Shri Darbara Singh is survived by his wife and daughters.

B.P. SINGH, Secy.